1857 की क्रांति: मुख्य बिंदु

1. परिचय (Introduction):

- इसे भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (First War of Independence) या 'सिपाही विद्रोह' भी कहा जाता है।
- यह ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के खिलाफ पहला बड़ा और संगठित प्रतिरोध था।

2. शुरुआत और तात्कालिक कारण **(Start & Immediate Cause):**

- तात्कालिक कारण: एनफील्ड राइफल (Enfield Rifle) में प्रयुक्त कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी का प्रयोग होने की अफवाह। इससे हिंदू और मुस्लिम दोनों सैनिकों की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं।
- मंगल पांडे: 29 मार्च 1857 को बैरकपुर (बंगाल) में 34वीं इन्फैंट्री के सिपाही मंगल पांडे ने अपने अधिकारियों पर हमला कर विद्रोह का बिगुल फूँका।
- विद्रोह की औपचारिक शुरुआत: 10 मई 1857 को मेरठ (Meerut) से।

3. विद्रोह के प्रमुख कारण **(Causes of the Revolt):**

- राजनीतिक कारण: लॉर्ड डलहौजी की **'हड़प नीति' (Doctrine of Lapse)**, जिसके तहत झाँसी, सतारा और नागपुर जैसे राज्यों को ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया गया। अवध का विलय भी एक बड़ा कारण था।
- आर्थिक कारण: भारी कर (Taxation), भारतीय उद्योगों का विनाश और किसानों का शोषण।
- सामाजिक और धार्मिक कारण: सती प्रथा का अंत और विधवा पुनर्विवाह कानून (जो सुधारवादी थे लेकिन रूढ़िवादियों को पसंद नहीं आए), ईसाई मिशनरियों द्वारा धर्म परिवर्तन का डर।

4. प्रमुख केंद्र और नेतृत्व **(Main Centers & Leaders):**

- दिल्ली: बहादुर शाह जफर (नाममात्र के नेता) और वक्त खान (सैन्य नेतृत्व)।
- झाँसी: रानी लक्ष्मीबाई (जिन्होंने "मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी" का नारा दिया)।
- कानपुर: नाना साहेब और तात्या टोपे।
- लखनऊ (अवध): बेगम हज़रत महल।
- बिहार (जगदीशपुर/आरा): कुंवर सिंह।
- इलाहाबाद: लियाकत अली।

1857 की क्रांति: मुख्य बिंदु

5. क्रांति की असफलता के कारण **(Reasons for Failure):**

- केंद्रीय नेतृत्व का अभाव: विद्रोहियों के पास कोई एक मजबूत केंद्रीय नेता नहीं था जो सबको जोड़ सके।
- संसाधनों की कमी: अंग्रेजों के पास आधुनिक हथियार और संचार साधन (रेल, तार) थे, जबकि विद्रोहियों के पास सीमित साधन थे।
- सीमित प्रसार: यह विद्रोह मुख्य रूप से उत्तर और मध्य भारत तक ही सीमित रहा; दक्षिण भारत और पंजाब के बड़े हिस्से इससे अछूते रहे।

6. परिणाम **(Consequences):**

- ईस्ट इंडिया कंपनी का अंत: 1858 के अधिनियम (Government of India Act 1858) के तहत कंपनी का शासन समाप्त हो गया और भारत का शासन सीधे ब्रिटिश क्राउन (महारानी विक्टोरिया) के हाथों में चला गया।
- गवर्नर जनरल का पदनाम बदला: गवर्नर जनरल को अब 'वायसराय' (Viceroy) कहा जाने लगा (लॉर्ड कैनिंग भारत के पहले वायसराय बने)।
- सेना का पुनर्गठन: भारतीय सैनिकों की संख्या कम कर दी गई और यूरोपीय सैनिकों की संख्या बढ़ाई गई (फूट डालो और राज करो की नीति)।

इन बिन्दुओं को आप अपने रिवीजन या परीक्षा की तैयारी के लिए उपयोग कर सकते हैं।